भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 2754**
**04 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए**

## एनएमडीसी तथा एनएमडीसी स्टील लिमिटेड में भर्ती

2754**. श्री महेश कश्यपः**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) तथा एनएमडीसी स्टील लिमिटेड में विगत तीन वर्षों के दौरान की गई कुल भर्तियों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त भर्तियों के माध्यम से बस्तर संसदीय क्षेत्र के युवाओं की कितने पदों पर नियुक्ति की गई है;

(ग) स्थानीय युवाओं के लिए संचालित कौशल विकास तथा प्रशिक्षुता कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या भविष्य की भर्तियों में स्थानीय पात्र युवाओं को प्राथमिकता प्रदान करने के लिए कोई नीति तैयार की जा रही है?

**उत्तर**

**इस्पात राज्य मंत्री** **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) और (ख): विगत तीन वर्षों के दौरान एनएमडीसी लिमिटेड और एनएमडीसी स्टील लिमिटेड में बस्तर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित व्यक्तियों की कुल भर्तियों और पदों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है:-

| वर्ष | की गई भर्तियों की कुल संख्या | बस्तर, लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित व्यक्तियों को नियुक्त किए गए पदों की कुल संख्या |
|---|---|---|
| **2023** | 254 | 108 |
| **2024** | 209 | 101 |
| **2025** | 710 | 66 |

(ग) और (घ): भारत सरकार ने स्थानीय लाभार्थियों के लिए निम्नलिखित कौशल विकास एवं प्रशिक्षुता कार्यक्रम शुरू किए हैं:

(i) भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन (एसआईएम) के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) के तहत कौशल विकास केंद्रों/संस्थानों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से कौशल, पुनर्कौशल और उन्नत कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार

प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) चलाई जाती है। ये योजनाएं मांग-आधारित हैं, और प्रशिक्षण केंद्र आवश्यकता के अनुसार स्थापित या संचालित किए जाते हैं।

जारी...2/-



(ii) एनएमडीसी लिमिटेड तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, बस्तर, बीजापुर, कोंडागांव, नारायणपुर और सुकमा जिलों में अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत विभिन्न कौशल विकास पहलों को लागू करता है। इसके तहत, एनएमडीसी ने दंतेवाड़ा में एक पॉलिटेक्निक कॉलेज, भांसी (दंतेवाड़ा) में एक आईटीआई और नागरनार (जगदलपुर) में एक आईटीआई स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, एनएमडीसी ने सीआईपीईटी के सहयोग से दंतेवाड़ा और बस्तर के स्थानीय युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया और साथ ही आदिवासी छात्रों को चिकित्सा प्रौद्योगिकी और संबद्ध स्वास्थ्य देखभाल पाठ्यक्रमों में प्रायोजित किया।

(iii) इस्पात मंत्रालय द्वारा स्थापित नेशनल इंस्टीट्युट ऑफ सेकेंडरी स्टील टैक्नोलोजी (एनआईएसएसटी) द्वितीयक इस्पात क्षेत्र के लिए एक उद्योग-उन्मुख कौशल विकास और प्रौद्योगिकी सहायता केंद्र के रूप में कार्य करता है। एनआईएसएसटी नियमित रूप से द्वितीयक इस्पात उद्योग में कार्यरत कर्मियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, तकनीकी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण संबंधी पहल आयोजित करता है। प्रशिक्षण में औद्योगिक सुरक्षा, गुणवत्ता सुधार, ऊर्जा दक्षता, स्क्रैप पृथक्करण और अविनाशकारी परीक्षण (एनडीटी) जैसे विशिष्ट क्षेत्र शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्योग कर्मियों की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाना है।

****